भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1114
(जिसका उत्तर सोमवार दिनांक 29 जुलाई, 2024/7 श्रावण, 1946 (शक) को दिया जाना है)

सरकार पर उधार/ऋण की कुल राशि

1114. श्री खलीलुर रहमान:
क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत छह वित्तीय वर्षों के दौरान सरकार द्वारा लिए गए उधार/ऋण की कुल राशि का ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या उधार/ऋण राशि में वृद्धि हुई है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या सरकार का उद्देश्य उधार/ऋण में वृद्धि करके 5 मिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करना है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क) और (ख): पिछले छह वित्तीय वर्षों में केन्द्र सरकार के ऋण का ब्यौरा निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	**केंद्र सरकार का ऋण**	
	राशि (₹ लाख करोड़)	**(जीडीपी का %)**
2018-19	93.26	49.3
2019-20	105.07	52.3
2020-21	121.86	61.4*
2021-22	138.66	58.8
2022-23	156.13	57.9
2023-24 (अनंतिम वास्तविक)	171.78	58.2
2024-25 (बजट अनुमान)	185.27	56.8

नोट: (1) उपरोक्त डेटा में वर्तमान विनिमय दर पर सरकार का बाह्य ऋण और केंद्र सरकार का लोकलेखा और अन्य देयताएं (ईबीआर) शामिल हैं। (2) वित्त वर्ष 2023-24 के आंकड़े अनंतिम और गैर-लेखापरीक्षित हैं।
*कोविड-19 महामारी का प्रभाव

(ग) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, वर्ल्ड इकोनॉमिक ऑऊटलुक अप्रैल 2024 के अनुसार, वर्तमान मूल्यों पर भारत का सकल घरेलू उत्पाद 2023-24 में पहले ही 3.57 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच चुका है।

****